हमारी बेटियां

उगता हुआ सूरज शशि चांद है ,
हमारी बेटियां .....
जमाने की बहार,सौभाग्य है
हमारी बेटियां ....
नभ के तारे,धरा की शान है ,
हमारी बेटियां....
बसन्त है बहार है,रिश्ते की आन–मान है,
हमारी बेटियां ....
सभ्यता,समाज की उजली पहचान है,
हमारी बेटियां.....
अफसोस कहीं भ्रूण हत्या,तो कही जलायी जा रही,
हमारी बेटियां.....
भारती करें कठोर प्रतिज्ञा,
बचाये आन–मान पहचान,
जो हैं हमारी बेटियां..... नन्दलाल भारती